

एक नजर में

दिव्यांगजनों के लिए शिविर आज

राजगढ़ 04 अक्टूबर, का. जिले के नाक, कान एवं गला (ईएनटी) संबंधी दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 5 अक्टूबर को शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर का आयोजन जनपद शिक्षा केन्द्र, उत्कृष्ट विद्यालय के पीछे, राजगढ़ में किया जाएगा. शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नाक, कान एवं गला संबंधी दिव्यांगजनों का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाए जाने की कार्यवाही की जाएगी. जिले के नाक, कान एवं गला संबंधी दिव्यांगजन हितग्राहियों से अपील है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं तथा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने की सुविधा का लाभ लें.

216 आवेदन दर्ज, 40 का निराकरण



राजगढ़ 04 अक्टूबर, का. सेवा सेतु अभियान अंतर्गत 'सरकार आपके द्वार' के तहत जनपद पंचायत जीरापुर में खण्ड स्तरीय शिविर आयोजित किया गया. शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को योजनाओं की जानकारी देते हुए प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का निराकरण किया गया. शिविर में 40 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का संतुष्टि से निराकरण किया गया. प्रधानमंत्री आवास योजना के 200 हितग्राहियों को द्वितीय एवं तृतीय किस्त प्रदान की गई तथा 35 आवास पूर्ण कर पोर्टल पर दर्ज किए गए. 'एक बगिया मां के नाम' अभियान में 170 हितग्राहियों का चयन कर स्वीकृति पत्र वितरित किए गए. सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 26 पेंशन आवेदनों, श्रम विभाग द्वारा 38 संबल एवं 23 कर्मचार मंडल संबंधी आवेदनों का निराकरण किया गया. आजीविका मिशन के तहत देवनारायण स्व-सहायता समूह, ग्राम चमारखेड़ा को 11 लाख रुपये की सीसीएल राशि वितरित की गई. शिविर में 216 आवेदन ऑनलाइन दर्ज हुए, जिनमें जनपद पंचायत जीरापुर के 94 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया. शेर आरेवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है.

आरोप : ‘दर’ नहीं चुकाने पर अनदेखी, ‘मातृ मृत्यु’

बेटी को जन्म देने के बाद सरकारी अस्पताल में महिला की मौत, स्टॉफ पर 2 हजार रुपए लेने का आरोप

सिविल सर्जन ने कहा : सबूत मिले तो होगी कड़ी कार्यवाही, मातृ मृत्यु दर गंभीर मामला

नवभारत न्यूज राजगढ़ 04 अक्टूबर, का. मातृ मृत्यु दर के मामले में लगातार समीक्षा में रहने वाले राजगढ़ जिले में फिर से समीक्षा की जरूरत बन गई है. जिला अस्पताल में एक प्रसूता की बेटी को जन्म देने के बाद मौत हो गई. मौत के बाद हंगामा मचा. परिजनों का आरोप है कि नर्सिंग स्टाफ द्वारा पैसों की मांग की गई. दो हजार रुपए लिए गए और उसी लापरवाही, लेटलतलीफी के कारण महिला की मौत हो गई.

जानकारी के अनुसार डिलीवरी के कुछ घंटे बाद एक महिला की मौत हो गई मृतका अमरी बाई के परिजन ने अस्पताल स्टाफ पर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया. परिजन का आरोप है कि नर्स ने डिलीवरी के नाम पर रिश्त लती और प्रसव के बाद गंभीर ब्लीडिंग होने पर इलाज में लापरवाही बरती, जिससे महिला की जान चली गई. डिलीवरी के लिए मांगे 5 हजार, 2 हजार में बनी बात परिजन के अनुसार, शनिवार दोपहर अमरी बाई को प्रसव के



लिए अस्पताल लाया गया था. वहां तैनात नर्स ने बच्चे की स्थिति गंभीर बताकर डिलीवरी कराने के एवज में 5 हजार रुपए की मांग की. परिवार ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला दिया, जिसके बाद 2 हजार रुपए में बात तय हुई. मृतका के पति दिनेश ने नर्स को पैसे दिए, जिसके बाद शाम करीब 5.30 बजे महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया.

रात में ब्लीडिंग शुरू, परिजन का आरोप- कमरे में सोती रही नर्स

परिजन का कहना है कि रात करीब 12 बजे अमरी बाई को अचानक ब्लीडिंग होने लगी. जब सास धांपू बाई नर्स को बुलाने गईं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था. आरोप है कि दरवाजा खटखटाते पर नर्स ने मदद करने के बजाय संवेदनहीन जवाब दिया और देखने नहीं आई. समय पर सही इलाज नहीं मिलने के कारण

एसडीएम के आश्वासन के बाद खत्म हुआ धरना, जांच शुरू

घटना की खबर मिलते ही ग्रामीण और रिश्तेदार अस्पताल पहुंचे. पूर्व विधायक बापू सिंह तंवर और हेमराज कल्पोनी भी परिजन के समर्थन में धरने पर बैठ गए. मौके पर पहुंची एसडीएम निधि भारद्वाज ने परिजन को आश्स्त किया कि रिश्तखोरी और लापरवाही के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए एक टीम बनाई जाएगी. दोषी पाए जाने पर संबंधित स्टाफ पर सख्त कार्रवाई होगी. आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ. शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा होगा.



सिविल सर्जन बोले- डिलीवरी सामान्य रूप से हुई थी

सिविल सर्जन डॉ. रजनीश शर्मा ने कहा कि महिला की डिलीवरी सामान्य रूप से हुई थी. रात करीब 3 से 4 बजे के बीच उसकी मौत हुई. ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने मुझे फोन पर मरीज की स्थिति की जानकारी दी थी. फिजिशियन से भी रात में संपर्क किया गया था. डॉक्टरों और स्टाफ ने मरीज को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया. परिजन ने सीधे स्टाफ नर्स पर पैसे लेने का आरोप नहीं लगाया था, बल्कि किसी अन्य व्यक्ति को रुपए देने की बात कही थी. ड्यूटी रोस्टर के आधार पर उस समय मौजूद स्टाफ की पहचान की गई. संबंधित स्टाफ नर्स ने बताया कि उसकी ड्यूटी थी. परिजन के बुलाने पर वह दो बार मरीज के पास गई. मरीज के पैड आदि भी बदलवाए थे.

मातृ मृत्यु गंभीर मामला, जांच में दोषी मिला तो कार्रवाई

सिविल सर्जन ने कहा कि करीब एक साल से जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं. इस तरह की किसी गतिविधि की जानकारी फिलहाल उन्हें नहीं है. वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से जो निर्देश मिलेंगे, उनके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

गांधी जयंती मनाई

सुवलिया 04 अक्टूबर, सं. शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. लहरिया ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, स्वावलंबन और सेवा का संदेश देता है. विद्यार्थियों को गांधीजी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने सेवा को केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य के रूप में स्थापित किया. डॉ. कमल सिंह अहिरवार ने कहा कि गांधीजी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता आंदोलन के समय थे. कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपा चौरसिया ने डॉ. अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर महाविद्यालय में डॉ. खालिद अल्ताफ शेख, डॉ. गिरवर सिंह पांडव, डॉ. पवन कुमार अहिरवार, डॉ. रियाजत शाह खान, पूजा यादव, उमेश सेन, अनिरुद्ध सिंह कुशवाह, प्रवेश कुशवाह सहित स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

251 गुम हुए मोबाइल ढूंढकर लौटाए

ऑपरेशन ट्रेस एण्ड रिटर्न : 41 लाख रुपए है कीमत, वास्तविकधारकों को लौटाए गए



नवभारत न्यूज राजगढ़ 04 अक्टूबर, का. सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित साइबर जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों के गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक धारकों को वापस किया गया. इस अवसर पर साइबर सेल राजगढ़ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रेस एण्ड रिटर्न के तहत बरामद 251 मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द किए गए. बरामद मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 41 लाख है.

एसपी अमित तोलानी के नेतृत्व में साइबर सेल टीम ने आधुनिक तकनीक एवं पोर्टल की सहायता से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया गया. मोबाइल फोन की बरामदगी केवल राजगढ़ जिले तक सीमित नहीं रही, बल्कि देवास, इंदौर, टीकमगढ़, शाजापुर, उज्जैन, भोपाल, रतलाम, अगर-मालवा, अशोकनगर, गुना, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, खरगोन, धार, ग्वालियर, रीवा, शिवपुरी, भिण्ड, मंदसौर सहित अन्य जिलों तथा बिहार, राजस्थान, गुजरात एवं उत्तर प्रदेश से भी की गई.

जूड़ो खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

राजगढ़ 04 अक्टूबर, का. जबलपुर में आयोजित होने वाली स्कूल राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए राजगढ़ जिले के जूडो खिलाड़ी रविवार जबलपुर के लिए रवाना हुए. प्रतियोगिता से एक दिन पूर्व जिला खेल अधिकारी सुशी उमा पटेल ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, आत्मविश्वास एवं खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मविश्वास के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात कही.

दो बार की नेशनल प्लेयर का 26 साल की उम्र में निधन

एक दिन पहले की थी शादी की शॉपिंग, अगले ही दिन थम गई सांसें

नवभारत न्यूज सारंगपुर 04 अक्टूबर, सं. जिस घर में कुछ ही दिनों बाद शहनाइयां गुंजने वाली थीं, जहां बेटी की शादी को लेकर खुशियों और तैयारियों का माहौल था, वहां अचानक मातम पसर गया. दो बार नेशनल स्तर पर खेल चुकी 26 वर्षीय वैष्णवी (तनु) जाधव का हृदय गति रुकने से निधन हो गया. स्वर्गीय प्रकाशचंद्र जाधव की पोती और लोकेश जाधव की बड़ी बेटी वैष्णवी की शादी तीन महीने बाद तय थी. परिवार बेटी की शादी को यादगार बनाने की

अपनी बेटी को दुल्हन बनते देखना जीवन के सबसे खूबसूरत सपनों में से एक होता है. वैष्णवी को मां भी बेटी की शादी को लेकर न जाने कितने सपने संजोए बैठी होंगी. शादी की खरीदारी, तैयारियां और घर में आने वाली खुशियों की कल्पना के बीच उन्हें क्या पता था कि जिस बेटी को कुछ महीनों बाद दुल्हन बनाकर विदा करना था, उसे इस तरह हमेशा के लिए

खोना पड़ेगा. मां और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. वैष्णवी दो बहनों में बड़ी थी. वैष्णवी की अंतिम यात्रा उनके निवास सुदर्शन नगर से निकाली गई. इस दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों सहित जनप्रतिनिधियों और परिचितों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी. परिजनों ने मुखारिप देकर अंतिम विदाई दी. एक ओर परिवार बेटी को खोने के गम में डूबा था, तो दूसरी ओर नगरवासी भी इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध नजर आए.

नाराज पत्नी नहीं मानी तो पति ने खाय़ा जहर



नवभारत न्यूज सारंगपुर 04 अक्टूबर, सं. पत्नी के साथ विवाद और उसके पास नहीं आने से नाराज एक 28 वर्षीय युवक ने रविवार दोपहर सारंगपुर बस स्टैंड के पास जहरीला पदार्थ खा लिया. जहर खाने के बाद युवक पेड़ के नीचे बैठकर उल्टियां करता रहा. इसी दौरान मौके से गुजर रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय की नजर उस पर पड़ी. उन्होंने तत्काल डायल 112 को सूचना दी, जिसके बाद युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया. हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे शाजापुर रेफर कर दिया.

जानकारी के अनुसार ईचिवाड़ा निवासी मनीष पिता कालूराम अहिरवार (28) रविवार को अपने गांव से सारंगपुर आया था. यहां मोबाइल पर बातचीत के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई. बताया जा रहा है कि पत्नी के उसके पास नहीं आने से नाराज मनीष ने दोपहर करीब 2 बजे बस स्टैंड के समीप जहरीला पदार्थ खा

लिया. जहर खाने के कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह पास ही एक पेड़ के नीचे बैठकर उल्टियां करने लगा. परिजनों के मौके पर पहुंचने पर मनीष ने उन्हें बताया कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है.

पूर्व विधायक की पड़ी नजर तत्काल बुलाई डायल 112

घटना के दौरान पास की दुकान पर मौजूद कांग्रेस के पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय की नजर युवक पर पड़ी. युवक की हालत गंभीर देख उन्होंने बिना देर किए डायल 112 को सूचना दी. पुलिस की मदद से मनीष को सारंगपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया.

सिविल अस्पताल में डॉक्टर मनीष चौहान ने युवक का प्राथमिक उपचार किया. हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए शाजापुर रेफर कर दिया. इसके बाद परिजन उसे लेकर शाजापुर रवाना हुए. खबर लिखे जाने तक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही थी.

मंचन कभी लालटेन की रोशनी में शुरू हुई थी रामलीला, पात्रों ने परंपरा का वृक्ष हराभरा किया

आधी सदी से मानस की लौ जलाकर रखी है जीरापुर में

दिनेश जमींदार नवभारत न्यूज

जीरापुर 04 अक्टूबर, सं. नगर ही नहीं अपितु आसपास ग्रामीण क्षेत्र में अपनी विशेष अनुपम प्रसिद्धि लिए विगत 53 वर्षों से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र का मंचन श्री गणेश आदर्श रामलीला मंडल के स्थानीय कलाकार निशुल्क सेवा भाव एवं अपने नित्य कार्य के अलावा समय देकर उत्कृष्ट प्रस्तुति के साथ रामलीला करते आ रहे हैं.

आगामी 6 अक्टूबर मंगलवार से रामलीला का मंचन नगर में इस मंडल द्वारा 54 वर्ष में प्रवेश करते हुए प्रथम दिवस नारद मोह की लीला से प्रारंभ होगा. यह 16 दिवसीय



गैस लालटेन के उजाले से लाइट डेकोरेशन तक ..

रामलीला मंचन की मुख्य विशेषता यह रही की जब नगर में रामलीला की शुरुआत हुई थी तो गैस के उजाले में बिजली के अभाव में स्थानीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त आनंद लेते थे. जो वर्तमान में रामलीला में आने वाली भेंट के माध्यम से ही आधुनिक रूप से बिजली की चकाचौंध एवं समस्त कलाकारों द्वारा आकर्षक श्रृंगार एवं वेशभूषा के साथ आदर्शता लिए हुए मंचन किया जावेगा, जो एक अनुरूपी संदेश भक्तों को देता है.

आयोजन अनेकों प्रकार की अपनी अनुठी पहचान लिए

होती है.

जिसमें दिनांक 9 अक्टूबर

को राम विवाह राम बारात इत्यादि का भव्य आयोजन तथा 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर राम की शोभायात्रा शिव चौक रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर दशहरा मैदान पहुंचकर रावण वध करेगी. 21 अक्टूबर बुधवार को राज्याभिषेक (रामजी का राजतिलक) से रामलीला का विश्राम होगा.

लगभग चालीस सदस्य सेवाभाव से मंचन करते

श्री गणेश आदर्श रामलीला मंडल के स्थानीय कलाकार जो कि लगभग 40 सदस्य विगत 1 माह से संवाद कला का सृजन कर (रिहर्सल) करके रामलीला मंचन को आकर्षक संवाद, युद्ध , नृत्य , संगीत , रामचरितमानस

की चौपाइयों के साथ प्रदर्शित करेंगे.

युवा ही नहीं बुजुर्ग भी जिम्मेदारी से संवाएं देते

मंडल में अध्यक्ष दिनेश पुरोहित , संरक्षक विधायक हजारीलाल दांगी , पूर्व नपाध्यक्ष गोकर्ण वर्मा उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह मण्डलोई पटेल , गिरिराज जुलानिया , सचिव सेवानिवृत्त शिक्षक मोहनलाल पुष्पद , संचालक सबसे वयोवृद्ध सेवानिवृत्त शिक्षक बीएन आचार्य , सहसचिव प्यारेलाल चौहान , कार्यालय सचिव महेश राठौर , कोषाध्यक्ष अशोक सेन , परामर्शदाता पं. श्यामसुंदर शर्मा , ओमप्रकाश सेन , दिनेश

तिवारी शिक्षक सहित यह स्थानीय कलाकार निशुल्क सेवा प्रदान करते हैं.

इनमें 76 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक मोहनलाल पुष्पद मंच संचालन के साथ-साथ विभिन्न पात्र की भूमिकाएं निभाते हुए अपनी सेवाएं देते हैं वहीं मंडल के सदस्य एवं नगर के विभिन्न समाजसेवी श्रद्धालु भक्त भेंट स्वरूप आर्थिक रूप से सहयोग करते हुए भारतीय संस्कृति को इस परम्परा का बखूबी निर्वहन करवाने में अपना योगदान देते हैं. वहीं यह सभी कलाकार एवं मंडल के कार्यकारिणी सदस्य तन मन धन से लगन एवं मेहनत से रामलीला को अविश्वरणीय रूप देते आ रही है.